**भारत सरकार**
**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय**
**पशुपालन और डेयरी विभाग**
**लोक सभा**
**तारांकित प्रश्न संख्या- *110**
**दिनांक 27 जुलाई, 2021 के लिए प्रश्न**

## पशुधन द्वारा मीथेन का उत्सर्जन

*110 श्री बृजेन्द्र सिंह:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वैश्विक रूप से पशुधन द्वारा किए जाने वाले कुल मीथेन उत्सर्जन की एक बहुत बड़ी मात्रा भारत में पशुधन द्वारा किए जाने वाले मीथेन उत्सर्जन की है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार की योजना पशुधन द्वारा उत्सर्जन को कम करने और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करने हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) द्वारा हाल ही में पशुओं के लिए विकसित किए गए अनुपूरक आहार को बढ़ावा देने अथवा उसके लिए राजसहायता प्रदान करने की है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**
**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री**
**(श्री परशोत्तम रूपाला)**

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

**पशुधन द्वारा मीथेन का उत्सर्जन के संबंध में श्री बृजेन्द्र सिंह द्वारा दिनांक 27 जुलाई, 2021 को लोक सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्र.सं. *110 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।**

(क) और (ख) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) से प्राप्त सूचना के अनुसार, आंतों के किण्वन (एंटरिक फर्मन्टेशन) से वैश्विक मीथेन उत्सर्जन लगभग 90 मिलियन टन (टीजी) है। भारतीय पशुधन से मीथेन उत्सर्जन केवल 9-10 टीजी है। वैश्विक खाद मीथेन उत्सर्जन लगभग 10 टीजी है जबकि भारतीय योगदान 1.0 टीजी से कम है।

(ग) और (घ) जी, हां। पशुपालन और डेयरी विभाग ने सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को आईसीएआर- भारतीय पशु पोषण और शरीर क्रिया विज्ञान संस्थान, बंगलुरू द्वारा विकसित एंटीमीथेनोजेनिक फीड सप्लीमेंट हरितधारा और एक पूर्ण फीड ब्लॉक टैमरिन प्लस के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एडवाइज़री जारी की है। आईसीएआर- भारतीय पशु पोषण और शरीर क्रिया विज्ञान संस्थान, बंगलुरू द्वारा विकसित दोनों उत्पाद जुगाली करने वाले पशुओं से होने वाले मीथेन उत्सर्जन को कम करते हैं और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करते हैं।

*******